'Indian subject me dum hai'

मुकुल देव की किताब *Salim must die* को रिलीज किया पद्मश्री राज बिसारिया ने

I next reporter

LUCKNOW (24 Feb): स्लमडॉग मिलिनेयर फिल्म और नॉवेल में से किसी को चुनना हो तो मैं नॉवेल पढ़ना ही पसंद करूंगा यह कहना है राइटर मुकुल देव का. मुकुल देव मंगलवार को यूनीवर्सल बुक सेलर्स गोमती नगर में अपनी नई किताब *सलीम मस्ट डाई* की रिलीज के लिए शहर में मौजूद थे. किताब का रिलीज राज बिसारिया ने किया. यहां मौजूद बुक लवर्स का मुकुल देव के साथ सवाल जवाब का दौर भी चला. इस मौके पर उन्होंने कहा कि बाहर के लोग यहां आकर फिल्म बना रहे हैं तो इसकी वजह यही है कि इंडियन सब्जेक्ट में दम है. लेकिन मैं नॉवेल ही पढ़ना पसंद करूंगा क्योंकि मैं राइटर की नजर से कहानी को जानना चाहूंगा.

तीसरी बुक आते ही फिल्म के लिए करूंगा बात

लश्कर के बाद अभी यह दूसरी किताब है इस सिरीज की. तीसरी पर काम कर रहा हूं और जल्द ही फाइनल होने वाला है. किताब पर फिल्म बनाने के लिए कई आफर आ रहे हैं, जो अच्छे पैसे देगा उसे दे दूंगा कॉपीराइट.

बहुत करीब से जिया है इसे

पहले लश्कर, उसके बाद *सलीम मस्ट डाई* और तीसरी बुक भी इसी की सिरीज होगी. जहां तक सवाल इस सब्जेक्ट को चुनने का है तो इंडियन आर्मी में 15 साल गुजारे हैं. टेररिज्म का कोई ऐसा पहलू नहीं है जो छूटा हो. यहां तक प्रभाकरन वाले प्रकरण में मेरी ड्यूटी उसी के साथ लगी थी. वर्ल्ड के बारह देशों के टेररिज्म को मैंने लिखा है जिनमें कई देशों जैसे पाक, अफगानिस्तान, चीन जाकर आया हूं तब इस किताब तक पहुंचा हूं. इंडिया से शुरू कर आल ओवर वर्ल्ड के टेररिज्म की बात की है मैंने.

हर जनवरी में आ ही जाती है एक किताब

साल 2005 से लगातार ऐसा हो रहा है कि हर जनवरी में मेरी एक किताब रिलीज हो रही है. विमेन इन सिनेमा से शुरू हुआ यह सिलसिला आज भी जारी है. पिछली किताब *लश्कर* हिन्दी में ट्रांसलेट हो चुकी है और *सलीम..* का ट्रांसलेशन शुरू हो चुका है. फिलहाल मैं अभी तक एक्शन थ्रिलर पर ही काम कर रहा था. आगे क्राइम फिक्शन पर भी लिखने की सोच रहा हूं. वैसे *लश्कर* के बाद मुझे *सलीम मस्ट डाई* का बहुत अच्छा रिस्पांस मिल रहा है

अभी याद है लखनऊ

लामार्टीनियर के हास्टल में रहकर पढ़ाई करने वाले मुकुल देव आज 32 साल बाद शहर लौटे तो उन्हें हर रास्ता याद था. वह कहते हैं कि मैंने ड्राइवर को गाइड किया और एयरपोर्ट से यहां तक पहुंचाया. वैसे लखनऊ काफी डेवलप और खूबसूरत लगा मुझे.

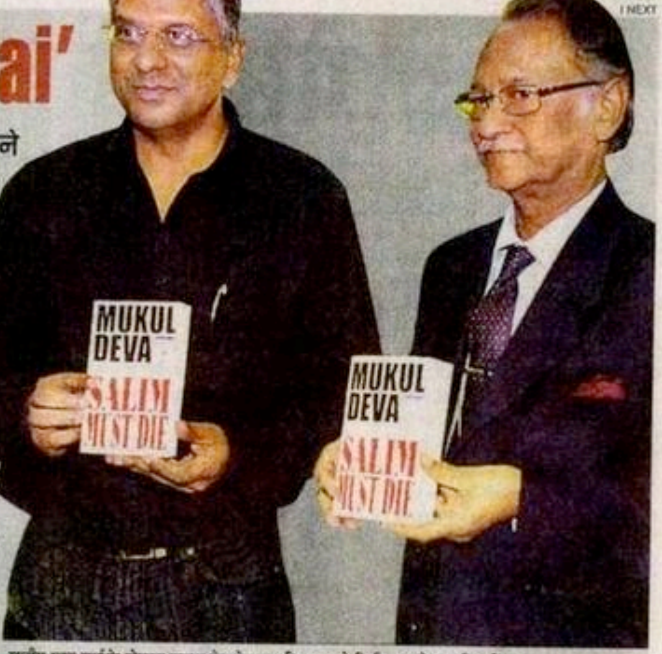

सलीम मस्ट डाई के लेखक मुकुल देव के साथ किताब को रिलीज करते राज बिसारिया